श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा, कलकत्ता हीरकजयन्ती संगोष्ठी ग्रन्थ

(फोल्डर नं. ०१२०५२)

- सम्पादक -

डॉ. सागरमल जैन

डॉ. अशोक कुमार सिंह

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

विषयानुक्रमणिका

अर्धमागधी आगम साहित्य-एक विमर्श – सागरमल जैन -- १

जैन आगम और आगमिक व्याख्या साहित्य-एक अध्ययन – सुदर्शन लाल जैन ------------------ ३८

निर्युक्ति साहित्य-एक परिचय – श्री प्रकाश पाण्डेय -- ४८

मूलाचार में वर्णित आचार नियम-श्वेताम्बर आगम साहित्य के परिप्रेक्ष्य में – अरुण प्रताप सिंह -- ६०

हिन्दी मरु-गुर्जर सजैन साहित्य का महत्त्व और मूल्य – शीतिकण्ठ मिश्र------------------------- ७०

हिन्दी जैन पत्रकारिता का इतिहास एवं मूल्य – संजीव भानावत --------------------------------- ८२

अनेकान्त, अहिंसा तथा अपरिग्रह की अवधारणाओं का मूल्यांकन-आधुनिक विश्व समस्याओं के सन्दर्भ में – वशिष्ठ नारायण सिन्हा -- ९७

प्राचीन जैन ग्रन्थों में कर्मसिद्धान्त का विकासक्रम – अशोक कुमार सिंह------------------------- १०१

श्वेताम्बर सम्प्रदाय के गच्छों का सामान्य परिचय – शिवप्रसाद --------------------------------- ११४

दिगम्बर जैन परम्परा में संघ, गण, गच्छ, कुल और अन्वय ----------------------------------- १३२

जैनधर्म में अमूर्तिपूजक सम्प्रदायों का उद्भव एवं इतिहास – नरेन्द्र भानावत --------------------- १४१

श्रावकाचार का मूल्यात्मक विवेचन – सुभाष कोठारी -- १५१

Contribution of Jainism to Indian History – A K. Chatterjee -------------------------------------- 157

Jahangir and Non-Violence – R. N. Mehata --- 164

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org